सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 74 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 18 अप्रैल, 2023
मूल्य ₹ 3/-

यदि हमारे मन में शांति नहीं है तो इसकी वजह है कि हम यह भूल चुके हैं कि हम एक दूसरे के हैं।

-मदर टेरेसा

मप्र में ओबीसी, एससी और एसटी... 7 | उच्च जाति और दलितों के बीच... 3 | निकाय चुनाव में सपा-रालोद में... 2

अतीक-अशरफ हत्याकांड की होगी 'सुप्रीम' सुनवाई

» 24 अप्रैल को शीर्ष अदालत में पहुंचेगा मामला

» यूपी में 2017 से अब तक हुए 183 एनकाउंटर की जांच की मांग पर भी होगी बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट में 24 अप्रैल को सुनवाई होगी। इसके साथ ही, यूपी में 2017 से अब तक हुए 183 एनकाउंटर की जांच की मांग पर भी शीर्ष अदालत सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में शीर्ष अदालत के पूर्व जज की निगरानी में कमेटी बनाने की मांग की गई है। यह याचिका विशाल तिवारी नाम के वकील ने दायर की है।

याचिका में अतीक की हत्या का जिक्र करते हुए कहा गया है कि पुलिस द्वारा इस तरह की कार्रवाई लोकतंत्र और कानून के शासन के लिए एक गंभीर खतरा है और एक पुलिस राज्य की ओर ले जाती है। न्यायेतर हत्याओं या फर्जी पुलिस मुठभेड़ों के लिए कानून में कोई जगह नहीं है। याचिका में कहा गया है, एक लोकतांत्रिक समाज में, पुलिस को अंतिम न्याय देने या दंड देने वाली संस्था बनने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। दंड की शक्ति केवल न्यायपालिका में निहित है।

पुलिस का भय लोकतंत्र के लिए खतरनाक

याचिका में कहा गया है कि जब पुलिस डेयरडेविल्स बन जाती है तो कानून का पूरा शासन ध्वस्त हो जाता है और पुलिस के खिलाफ लोगों के मन में भय उत्पन्न होता है, जो लोकतंत्र के लिए बहुत खतरनाक है। इसके परिणामस्वरूप अधिक अपराध भी होते हैं।

न्यायिक आयोग और एसआइटी का गठन

प्रयागराज के पुलिस कमिश्नर ने हत्याकांड की जांच के लिए न्यायिक आयोग के गठन के बाद सोमवार को तीन सदस्यीय विशेष जांच दल यानी एसआइटी का गठन किया है। डीजीपी आरके विश्वर्मा ने इस जांच दल के पर्यवेक्षण के लिए एडीजी भानु भास्कर के नेतृत्व में भी तीन सदस्यीय टीम का गठन किया है। राज्य सरकार अतीक हत्याकांड को लेकर बेहद गंभीर है।

नैनी से प्रतापगढ़ जेल भेजे गए तीनों शूटर

अतीक और उसके भाई अशरफ की हत्या करने वाले तीनों शूटरों लवलेश तिवारी, सनी सिंह और अरुण मौर्या को सोमवार को नैनी से प्रतापगढ़ जेल भेज दिया है, जहां उसे अन्य बंदियों से अलग रखा गया है। डिप्टी जेलर और

दर्शन भर बंदी रक्षक विशेष रूप से उसकी निगरानी कर रहे हैं। सीसीटीवी से भी बैरक पर नजर रखी जा रही है। नैनी सेंट्रल जेल में अतीक का बेटा अली और उसके गुर्गे बंद हैं, इसलिए तीनों शूटरों को प्रतापगढ़ भेजा गया है।

शाइस्ता कर सकती है सरेंडर!

प्रयागराज कोर्ट के बाहर की गई पुलिस की घेराबंदी

प्रयागराज। अतीक अशरफ हत्याकांड के बाद पुलिस और एसटीएफ की टीम ने गुड्डू मुस्लिम और शाइस्ता परवीन की तलाश तेज कर दी है। इसी बीच 50 हजार रुपए की इनामी शाइस्ता के प्रयागराज कोर्ट में सरेंडर की कयासों ने जोर पकड़ लिया है। हालांकि इस बाबत जब अधिकारियों से बात की गई तो उन्होंने इसकी पुष्टि नहीं की लेकिन जिस तरीके से प्रयागराज कोर्ट की घेराबंदी की जा रही है, उससे इन अटकलों को बल मिल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रयागराज जिला कचहरी में पुलिस फोर्स और क्राइम ब्रांच के जवान सक्रिय हो गए हैं। पुलिस ने पूरे परिसर की घेराबंदी कर रखी है। अतीक अहमद के वकीलों की भी निगरानी एसओजी द्वारा की जा रही है।

तलाश में छापेमारी

शाइस्ता परवीन की तलाश में पुलिस की कई टीम कल रात से ही छापेमारी कर रही है। प्रयागराज और कौशांबी में तमाम इलाकों में छापेमारी की सूचना है। जानकारी के अनुसार, लेडी डॉन की तलाश में करीबियों और रिश्तेदारों के घरों में घुसकर खोजबीन की जा रही है।पता चला है कि चकिया में शाइस्ता के मायके में भी छापा मारा गया है, जिसके बाद मायके वाले घर छोड़कर भाग गए है। अतीक की पत्नी के मायके का घर खुला पड़ा है।

बगावत की बातें सिर्फ मीडिया का कयास : पवार

» मै हमेशा एनसीपी में ही हूं : अजित पवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। राउत के बयान के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में मची उठा-पटक के बाद एनसीपी चीफ शरद पवार बगावत संबंधी अटकलों को खारिज करते हुए इसे मीडिया की उपज बताया। ज्ञात हो महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता अजित पवार की काफी समय से एनसीपी से बगावत की अटकलें लगाई जा रही थीं। अब इस मुद्दे पर शरद पवार का बयान सामने आया है।

एनसीपी प्रमुख ने अजित पवार की कथित बगावत की अटकलों पर विराम लगा दिया है। उन्होंने कहा कि अजित चुनाव संबंधी कामों में व्यस्त हैं। यह सारी बातें सिर्फ मीडिया में हैं। राउत के बयान को इसलिए महत्व दिया गया, क्योंकि कुछ समय से शरद पवार और अजित पवार के बीच मतभेद की खबरें सामने आ रही हैं। इस बात की अटकलें लगाई जा रही हैं कि अजित भाजपा के साथ गठबंधन कर सकते हैं। हालांकि, अजित ने इन अटकलों को निराधार बताया। राउत ने सामना में लिखे अपने एक लेख में कहा कि शरद पवार ने उद्धव ठाकरे से उनकी बैठक के दौरान कहा कि कोई भी नेता दल नहीं बदलना चाहता, लेकिन जिस तरह से परिवार को निशाना बनाया जा रहा है, उससे अगर कोई पार्टी छोड़ने का निर्णय लेता है, तो यह उसका व्यक्तिगत मामला होगा। एक पार्टी के रूप में हम भाजपा के साथ नहीं जाएंगे।

राउत ने कहा था- एनसीपी को तोड़ने के लिए दबाव बनाया जा रहा

दरअसल, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने दावा किया था कि शरद पवार ने उनसे कहा था कि उनकी पार्टी भाजपा से हाथ नहीं मिलाएगी, लेकिन कुछ विधायक दबाव में पार्टी बदल सकते हैं। राउत ने कहा, शरद पवार ने मुझे बताया कि जिस तरह से सीबीआई, ईडी और पुलिस की मदद से शिवसेना को तोड़ा गया था, उसी तरह अब एनसीपी को तोड़ने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। नेताओं को धमकियां दी जा रही हैं, इसलिए हो सकता है कुछ लोग भाजपा में शामिल हो जाएं।

निकाय चुनाव में सपा-रालोद में ठनी, दोनों ने उतारे उम्मीदवार

» कोई भी पीछे हटने को नहीं है तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ नगर निकाय चुनाव की रणभूमि में उतरते उतरते सपा रालोद गठबंधन में घमासान शुरू हो गया। विभिन्न सीटों पर सपा और रालोद दोनों ने ही अपने उम्मीदवार मैदान में उतार दिए हैं। हैरत की बात यह है इस समय कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं है। उधर, रालोद ने मेरठ नगर निगम में महापौर पद पर अपना प्रत्याशी उतारने का एलान कर दिया है जबकि यहां भी सपा ने अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है।

विधानसभा चुनाव 2022 में सपा रालोद का गठबंधन हुआ था। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने खास तौर पर पश्चिमी उप्र में जमकर प्रचार किया। एलान किया गया कि यह गठबंधन नगर निकाय चुनाव में भी चलेगा। यहां तक कि चुनाव से पहले रालोद प्रदेश अध्यक्ष रामशीष राय ने बड़ौत में घोषणा कर दी थी कि रालोद निकाय चुनाव अपने दम पर चुनाव लड़ेगा तो इसे लेकर रालोद और सपा दोनों में ही हंगामा मच गया था। रालोद ने तो दिल्ली से इस बाबत सफाई दी और कहा कि प्रत्याशी रालोद और सपा की साझा कमेटी चुनेगी और गठबंधन मिलकर चुनाव लड़ेगा। अब चुनाव आया तो दोनों के बीच रार खुलकर सामने आ गई है। कई सीटों पर सपा और रालोद ने अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। बिजनौर नगर पालिका अध्यक्ष के लिए स्वाति वीरा को सपा ने उम्मीदवार घोषित किया है। सपा से नाराज हुई रुखसाना परवीन को यहां से रालोद ने अपना उम्मीदवार घोषित करते हुए पर्चा दाखिल कर दिया।

पश्चिमी उप्र में सबसे ज्यादा हंगामा

दरअसल यह हंगामा पश्चिमी उप्र के जिलों में हो रहा है। रालोद का वजूद पश्चिमी उप्र में ज्यादा है। यही कारण है कि रालोद उम्मीदवार पश्चिमी उप्र की निकायों में अपने उम्मीदवार घोषित करने की बात कह रहे हैं। रालोद का मानना है कि यहां सपा को अपने उम्मीदवार घोषित नहीं करने चाहिए थे। हालांकि यही सपाई भी कह रहे हैं कि जहां रालोद का जोर है वहीं तो सपा भी लड़ेगी ताकि दोनों को लाभ हो सके। अहम यह है कि यदि यही स्थिति रही तो गठबंधन में आगे दरार आ सकती है। इसी गठबंधन के सहारे रालोद को विधानसभा चुनाव 2022 में पश्चिमी उप्र में आठ सीटें मिली थी जो बाद में उपचुनाव होने से नौ में बदल गई थीं।

अमृतपाल मामले में मान की कार्रवाई काबिले तारीफ : हिमंता सरमा

» केजरीवाल एक नगर निकाय के सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने अमृतपाल और उसके साथियों पर कार्रवाई के लिए पंजाब सीएम भगवंत मान की तारीफ की है। हालांकि, इसी बीच सरमा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तंज कसने का मौका नहीं छोड़ा और उन्हें एक नगर निकाय का सीएम बता दिया।

सरमा ने कहा, मैं खालिस्तान समर्थकों के खिलाफ सही समय पर सही कार्रवाई के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री का शुक्रिया अदा करता हूं। इस मामले में मेरे लिए कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है। हालांकि, जब उनसे पंजाब मामले में केजरीवाल की भूमिका को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि केजरीवाल जी तो सिर्फ़ एक म्यूनिसिपैलिटी के मुख्यमंत्री हैं लेकिन भगवंत मान जी एक बड़े प्रदेश के सीएम हैं, उन्होंने खालिस्तान के खिलाफ अच्छी कार्रवाई की है। इसके बाद जब सरमा से पूछा गया कि क्या वे भगवंत मान को कोई सलाह देना चाहेंगे, तो उन्होंने कहा कि अभी तो मैं मान जी से सलाह लेना चाहूंगा कि कैसे उन्होंने अमृतपाल और उसके संगठन के खिलाफ सफलतापूर्वक अभियान चलाया। अगर कोई अच्छा काम कर रहा है तो उसकी तारीफ की जानी चाहिए। यह अभियान पूरे देश के लिए अहम था।

झूठे आरोप लगा रही सरकार: एलजी

» बिजली सब्सिडी बंद करने के मामले पर सीएम को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर बिजली सब्सिडी को लेकर दिए जा रहे बयानों की निंदा की हैं। साथ ही कहा है कि यदि मैंने बिजली सब्सिडी बंद करने की बात कही है या अधिकारियों ने राजनेताओं के साथ मिलकर कोई साजिश की हैं तो उससे संबंधित साक्ष्य प्रस्तुत करें।

यदि आप उचित समय पर साक्ष्य नहीं दे पाते तो इस संबंध में कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। उधर, आप ने एलजी के सभी आरोपों को निराधार बताया है। तीन पेज के अपने पत्र में उपराज्यपाल ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और ऊर्जा मंत्री आतिशी के मीडिया में दिए गए बयानों का हवाला देते हुए कहा कि बिजली सब्सिडी को लेकर पिछले कुछ सप्ताह से गलत बयानबाजी की जा रही है।

आप ने भी किया पलटवार

ऊर्जा मंत्री और आपके द्वारा खुले मंच से बोला गया है। उधर, आम आदमी पार्टी ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। उपराज्यपाल ने पत्र में लिखा कि मैं कभी भी गरीब लोगों की बिजली सब्सिडी को बंद करने के पक्ष में नहीं रहा। मैंने हमेशा कहा कि दिल्ली के गरीब लोगों को बिजली सब्सिडी की सुविधा देने की वकालत की है। यह दुष्प्रचार 11 अप्रैल से शुरू हुआ है जब पावर सब्सिडी से संबंधित फाइल को वापस मंत्रालय में भेजा गया था। इस मुद्दे को लेकर 14 अप्रैल को ऊर्जा मंत्री ने गलत बयान बाजी की थी।

पूरे समाज को संगठित करना है : भागवत

» बोले- समाज में खड़ा नहीं करना है अलग संगठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बुरहानपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि संघ, संपूर्ण समाज को अपना मानता है। एक दिन संघ बढ़ते-बढ़ते समाजरूप हो जाएगा तो संघ नाम भी हट जाएगा। हिंदू समाज ही संघ बन जाएगा। हमें पूरे समाज का संगठन करना है, समाज में अलग संगठन खड़ा नहीं करना है। बता दें कि सरसंघचालक भागवत दो दिवसीय मालवा प्रांत के प्रवास पर थे।

उन्होंने बुरहानपुर जिले में विविध कार्यक्रमों में भाग लिया। भागवत ने कहा कि यह कार्यालय हिंदू समाज का केंद्र है। यह समाज के सहयोग से खड़ा हुआ है और समाज को ही समर्पित है। संघ का कार्य स्वार्थ तथा भय से नहीं चलता, आत्मीयता से चलता है। क्योंकि स्वार्थ और भय स्थायी नहीं है। इसीलिए कार्यालय पर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को उस आत्मीयता के दर्शन होना चाहिए। साथ ही कार्यालय के अनुशासन का पालन भी होना चाहिए। संघ प्रमुख का ये 17 दिन में दूसरा एमपी दौरा है। इसके पहले वो 31 मार्च को भोपाल में शहीद हेमू कालाणी जन्मशताब्दी समारोह में शामिल हुए थे। वे नाथ संप्रदाय और आरएसएस स्वयंसेवकों को संबोधित भी करेंगे। भगवान श्रीराम दरबार प्रतिमा स्थापना कार्यक्रम में शामिल होंगे।

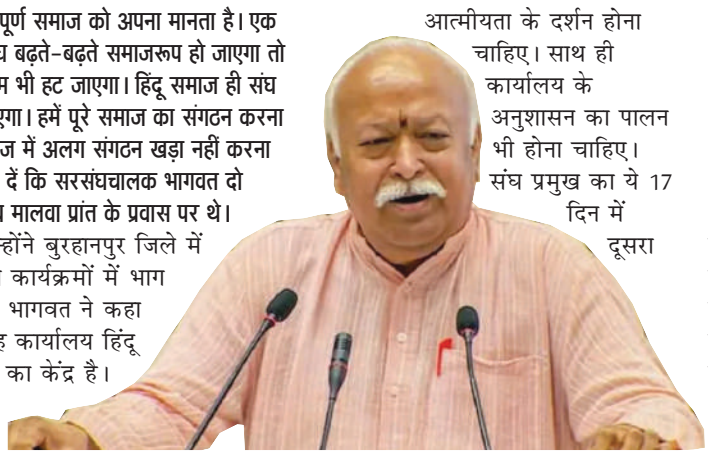

शक्ति मिलने पर सज्जनों को दें सुरक्षा

भागवत ने कहा कि संघ का कार्य लोक संग्रह का कार्य है। समाज को इस संगठित शक्ति से अच्छे कार्य होंगे। इस शक्ति से सज्जन लोगों की सुरक्षा होगी और धर्म की रक्षा के लिए इस शक्ति का उपयोग होगा और जो दुर्जन हैं उनमें धाक बैठेगी। इसलिए संघ का कार्य ईश्वरीय कार्य है और ईश्वरीय कार्य को भगवान करेगा, लेकिन उसका निमित्त हमें बनना है। इसलिए शाखा चलती है। अपने इस ईश्वरीय और पवित्र कार्य का अनुभव कार्यालय के वातावरण से होना चाहिए। आज संघ का कार्य बढ़ रहा है, संघ के हितैषी बढ़ रहे हैं। इसलिए जगह -जगह पर कार्यालय बन रहे हैं। लेकिन जब कार्यालय नहीं थे, तब भी संघ था। इसलिए सुविधाओं के कारण क्षमता कम नहीं होना चाहिए।

संसदीय चुनाव की तैयारी में जुटें : महबूबा

मलिक के रहस्योद्घाटन से ध्यान भटकाने के लिए अतीक को मरवाया

» पीडीपी नेता और कार्यकर्ता समस्याओं को जोरशोर से उठाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने पार्टी के संभागीय नेताओं व कार्यकर्ताओं को संसदीय चुनाव की तैयारी में जुट जाने के लिए कहा है। महबूबा ने कहा विधानसभा चुनाव प्रदेश में कब होंगे इसके बारे में कोई कह नहीं सकता। लेकिन संसदीय चुनाव अगले साल तय समय पर होंगे। ऐसे में पार्टी के नेता व कार्यकर्ता अभी से तैयारी में जुट जाएं।

पीडीपी के संभागीय मुख्यालय गांधीनगर में सोमवार को पार्टी नेताओं से बैठक में महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जनता को पेश आ रही समस्याओं को जोरदार ढंग से पार्टी के नेता व कार्यकर्ता उठाए। महबूबा मुफ्ती ने आरोप लगाया है कि पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के पुलवामा हमले पर रहस्योद्घाटन से ध्यान भटकाने के लिए उत्तर प्रदेश में अतीक अहमद को मरवाया गया है। महबूबा ने कहा कि अतीक अहमद कोई फरिश्ता नहीं था। उस पर कई आरोप थे। लेकिन पुलिस कस्टडी में उसे इस तरह से मारना जंगलराज है। अतीक अहमद ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी देकर अपनी जान को खतरा बताया था। अफसोस की बात है कि सुप्रीम कोर्ट ने भी उसकी बात नहीं सुनी। ऐसे में आदमी जाए तो कहां जाए। महबूबा ने कहा कि पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने पुलवामा हमला जिसमें सुरक्षाबलों के 40 जवान शहीद हो गए थे, उस पर कई बड़े रहस्योद्घाटन किए हैं। कहा है कि इस हमले की पूर्व जानकारी होने के बावजूद उन्हें खामोश रहने के लिए कहा गया।

अल्पसंख्यक आयोग की योजनाओं के प्रति लोगों में ज्यादा जानकारी नहीं

जम्मू। केंद्रीय अल्पसंख्यक आयोग की सदस्य सईद शहनाजी ने कहा है कि प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के 15 बिंदुओं पर काम करने के लिए जम्मू संभाग से कोई प्रस्ताव नहीं मिला है। ऐसे में समाज कल्याण विभाग को जल्द प्रस्ताव बनाकर भेजने के दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। इससे देश के अन्य हिस्सों की तरह जम्मू संभाग में भी अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम पर जल्द अमलीजामा पहनाया जा सके। जम्मू कन्वेंशन सेंटर में सोमवार को ने कहा कि वह दो दिवसीय जम्मू-कश्मीर के दौरे पर है। अपने दौरे के दौरान उन्होंने समाज कल्याण विभाग के प्रशासनिक सचिव के अलावा मुख्य सचिव से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के दौरे के दौरान उन्हें लगा कि अल्पसंख्यक आयोग की योजनाओं के प्रति लोगों में ज्यादा जानकारी नहीं है। ऐसे में समाज कल्याण विभाग की प्रशासनिक सचिव से कहा गया है कि अल्पसंख्यकों में उनके हित में चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जन जागरूकता लाएं, ताकि लोग योजनाओं का भरपूर लाभ उठा सकें।

बाबा साहब के सहारे की आस

भीमराव अंबेडकर की जन्मदिन पर मची होड़

» सीएम योगी, अखिलेश ने अर्पित की श्रद्धांजलि

» मायावती व खाबरी ने भी किया याद

» यूपी चुनाव में 21 प्रतिशत दलित वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी सत्ता के शिखर पर पहुंचने के लिए दलित वोटों का अपने पाले में खींचा जाना जरूरी है। तभी यहां की सभी सियासी दल इस समुदाय का अपर ओर करने की जुगत में लगी है। सपा ने हाल ही में कांशीराम की मुर्ति का अनावरण करके अपनी मंशा जीत थी। वहीं बसपा भी इस कोर बैंक में सेंधमारी को रोकने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ने के मूड में है। वहीं डा. भीमराव आंबेडकर की जन्मदिन पर सभी पार्टियों में उन्हें पुष्पाजंलि देने की होड़ लगी रही।

यूपी चुनाव 2022 में दलित वोटर्स करीब 21 प्रतिशत थे पारंपरिक रूप से बीएसपी के समर्थक। लेकिन इस बार मायावती की चुप्पी और बीजेपी-सपा की सक्रियता ने समीकरण बदल दी। यूपी विधानसभा चुनाव में दलित वोट किस ओर जाएगा? इस समय यही सबसे बड़ा सवाल था। बीजेपी और समाजवादी पार्टी ने चुनावी रेस में सबसे आगे जगह बना ली है। वहीं, बीएसपी प्रमुख मायावती अब भी ज़मीनी स्तर पर नदारद रही। राजनीतिक पर्यवेक्षकों के बीच एक आम धारणा है कि मायावती की इस अरुचि के कारण उनकी पार्टी के कोर वोटर्स का एक धड़ा दूसरी ओर चला जाएगा। इस अनुमान के आधार पर दूसरे दावेदार दलित मतदाताओं को लुभाने की कोशिश में लग हैं। दलितों ने पिछले तीन दशक में बीएसपी का समर्थन किया है। अब जिस तरह से कुछ ओबीसी नेता बीजेपी से सपा में गए हैं, उससे गैर यादव पिछड़ी जाति के वोटर्स पर असर पड़ने की उम्मीद है। इस बात ने चुनाव में दलित समुदाय के वोटर्स की भूमिका बहुत बढ़ा दी थी। निकाय चुनाव में बीजेपी इस वर्ग को लुभाने के पूरे प्रयास में है। केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के अलावा हिंदुत्व के ज़रिए इस समाज को एक करने की कोशिश है। विशेषज्ञों का कहना है कि मायावती मुख्य तौर पर जाटव उप-जाति की एकजुटता पर निर्भर करती हैं। दलित समुदाय में जाटव आबादी करीब 55 फ़ीसदी है। दलित समाज पहले कांग्रेस का समर्थन था, जब तक कि 90 के दशक में कांशीराम के नेतृत्व में बीएसपी एक ताकतवर राजनीतिक शक्ति बनकर नहीं उभरी।साल 2007 में सोशल इंजीनियरिंग के फॉर्मूले के तहत ब्राह्मणों को दलितों के साथ मिलाया गया। पार्टी मेकओवर से गुजरी और मायावती पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आई। दलित नेताओं ने एक बार फिर उसी आजमाए और परखे हुए फॉर्मूयुले का सहारा लिया है। हालांकि दलितों पर मायावती के दबदबे को बीजेपी ने लगातार चुनौती दी है। बीजेपी केवल पीएम नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता को ही नहीं भुना रही, बल्कि कई कल्याणकारी योजनाओं का भी सहारा ले रही है।

उच्च जाति और दलितों के बीच की खाई को तोड़ने की कोशिश

यूपी बीजेपी कहती है पार्टी के नारे सबका साथ, सबका विकास के पीछे छिपे संदेश को समझने की ज़रूरत है। हम उच्च जाति और दलितों के बीच की खाई को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, जो सदियों से चली आ रही है। सपा ने भी यूपी के तीन पूर्व मंत्रियों, स्वामी प्रसाद मौर्य, दारा सिंह चौहान और धरम सिंह सैनी समेत गैर-यादव पिछड़े नेताओं को अपने यहां लाकर बीजेपी की बराबरी करने की कोशिश की जानकारों का मानना है कि अखिलेश ने सपा को पुरानी छवि देने का प्रयास किया है, यादवों और मुस्लिमों की पार्टी।

सपा के भीतर एक धारणा यह है कि पिछड़े वर्ग के ज़्यादा से ज़्यादा नेताओं को जोड़कर दलितों के करीब जाया जा सकता है। हालांकि 2019 के लोकसभा चुनावों में बीएसपी के साथ गठबंधन के बावजूद सपा को दलितों का समर्थन नहीं मिला था। बीएसपी के मतदाताओं ने, मुख्य रूप से दलितों ने कैसे सपा का समर्थन नहीं किया, इसका अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वह सिर्फ पांच सीटों तक ही सीमित रही। दूसरी ओर, बीएसपी ने 2014 में शून्य लोकसभा सीटों के आंकड़े को सुधारकर 2019 में 10 तक कर लिया। इसने साबित कर दिया कि सपा समर्थकों, यादवों और मुसलमानों ने बीएसपी का साथ दिया। हालांकि, मायावती ने यह दावा करते हुए नाता तोड़ लिया कि सपा अपने वोट बैंक को बीएसपी में ट्रांसफर नहीं कर सकी।

दलित वोट के सहारे 1993 में हुआ चमत्कार

उत्तर प्रदेश की बात की जाए तो अमूमन यह माना जाता है कि दलित मतदाता बड़ी संख्या में बहुजन समाज पार्टी के साथ रहा है। साल 1993 में बहुजन समाज पार्टी के गठन के बाद से ही दलित मतदाता बड़ी संख्या में बसपा के साथ ही जाता नजर आया है। 1993 में जिस साल बसपा सुर्खियों में आई, तब पार्टी को 11.12 फीसदी वोट मिले थे और पार्टी ने 67 सीटों पर जीत हासिल की थी। इसके बाद हुए 1996 के चुनाव में बसपा को 19.64 फीसदी वोट मिले। इस बार भी बसपा ने 67 सीटों पर कब्जा किया।

2002 के चुनाव, बसपा ने किया कमाल

2002 के विधानसभा चुनावों में बहुजन समाज पार्टी का मत प्रतिशत 23.06 तक पहुंचा और 98 सीटों पर उसे जीत हासिल हुई। साल 2007 में पूर्ण बहुमत पाकर, जब बसपा ने सरकार बनाई तो उस दौरान बसपा 30.43 फीसदी वोट मिले और 206 सीटों पर हासिल कर सत्ता पर काबिज हुई। हालांकि 2007 के इन चुनावों में मायावती दलितों के साथ ब्राह्मण वोटों को भी साथ लाने में सफल हुई थीं, जिसका नतीजा ब?ा हुआ वोट प्रतिशत और सीटों के रूप में सामने आया।

दलितो के घर खाना खाने का भी चलन

उत्तर प्रदेश में निकाय चुनावों के साथ दलितों को लेकर राजनीति भी शुरू हो चुकी है। इससे पहल विस चुनावों में तमाम राजनीतिक दल दलित समुदाय को लुभाने की पूरी कोशिश में जुटे थे। इसी कड़ी में अलग-अलग राजनीतिक दलों के बड़े-बड़े नेता दलितों के घर आते-जाते और भोजन करते हुए नजर आ रहे थे। दलित नेताओं की इस वक्त पूछ भी बढ़ गई है। आखिर क्यों दलित वोट उत्तर प्रदेश चुनावों में इतना अहम माना जाता है? क्या वाकई में दलित वोट राजनीतिक दलों के लिए सत्ता तक पहुंचने का एक रास्ता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश जहां पर आंकड़ों के मुताबिक 21 फीसदी से ज्यादा दलित मतदाता हैं, ऐसे में यह माना जा सकता है कि 5 में से 1 मतदाता, दलित समाज से आता है। इसी वजह से दलित मतदाता खासतौर पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश मैं किसी भी राजनीतिक दल की जीत और हार सुनिश्चित करने में एक बड़ी भूमिका निभा सकता है। पिछले चुनावों के नतीजे भी यही बयां कर रहे हैं.

2012 में क्यों 80 सीटों पर सिमटी बसपा

2012 के चुनाव में पार्टी को 25.95 फीसदी वोट मिले और 80 सीटों पर बसपा सिमट कर रह गई। 2017 के चुनाव में बसपा को 22.24 फीसदी ही वोट मिले और इसका नतीजा यह हुआ कि मायावती की पार्टी 19 सीटों पर सिमट के रह गई। लेकिन यह आंकड़े यह बताने के लिए काफ़ई हैं कि भले ही बहुजन समाज पार्टी, जिसने अपनी पहचान दलितों की पार्टी के रूप में बनाई थी, वह कितने ही खराब दौर से क्यों ना गुजरी हो, लेकिन दलितों का वोट बड़ी संख्या में हमेशा उसके साथ बना रहा है।

ऐसे होता है दलित वोटों का बंटवारा

दलित वोटों का भी उपजाति के आधार पर बंटवारा हो जाता है। मसलन जाटव, पासी, वाल्मीकि. हालांकि माना यह जाता है कि इसमें से 55 फीसदी से अधिक वोट जाटव बिरादरी से आते हैं और यह जाटव बिरादरी हमेशा से ही मायावती और उनकी पार्टी बसपा के साथ रही है, अगर हम 2017 के विधानसभा चुनावों के नतीजों को देखते हैं तो वहां पर मायावती की पार्टी भले ही 19 सीटों पर सिमट गई थी, लेकिन वो वोट प्रतिशत में अपने से ज्यादा सीट हासिल करने वाली सपा से आगे ही थी. सपा को जहां 2017 के विधानसभा चुनावों में करीबन 21.8 फीसदी वोट मिले थे। वहीं बसपा को इन चुनावों में 22.2 फीसदी के करीब वोट मिले थे।

बसपा की स्थापना से हुआ यूपी का भला : माया

बसपा सुप्रीमो मायावती ने अम्बेडकर जयंती पर प्रदेश की जनता को बधाई दी। इस दौरान उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर बसपा को कमजोर करने का आरोप भी लगाया। मायावती ने कहा कि अति-मानवतावादी व कल्याणकारी संविधान देकर आधुनिक भारत की मजबूत नींव रखने वाले परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को आज उनकी जयंती पर शत-शत नमन व अपार श्रद्धा सुमन अर्पित। उनका जीवन संघर्ष करोड़ों गरीबों, मजदूरों, वंचितों व अन्य मेहनतकशों के लिए आज भी उम्मीद की किरण। बसपा प्रमुख ने यह भी कहा किउनसे प्रेरणा लेकर उनके आत्म-सम्मान व स्वाभिमान के रुके कारवाँ को आगे बढ़ाने तथा जाति के आधार पर तोड़े गए लोगों को जोड़ने के लिए आज ही के दिन 14 अप्रैल सन 1984 को बहुजन समाज पार्टी की देश में स्थापना की गई, जो खासकर यूपी में सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति की मिसाल बना।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

11 मौतों का जिम्मेदार कौन?

नवी मुंबई के ग्राउंड पर बड़ी संख्या में लोग उमड़े थे। कार्यक्रम के दौरान हजारों लोग खड़े थे। बैठने की व्यवस्था थी लेकिन फिर भी भीड़ के आगे जगह कम पड़ रही थी। कार्यक्रम देखने के लिए ऑडियो और वीडियो प्लेयर भी लगाए गए थे। आयोजकों की ओर से भीड़ को धूप से बचाने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं होने से सवाल खड़े हो रहे हैं।

महाराष्ट्र के नवी मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान भीषण गर्मी से 11 लोगों की मौत के बाद सवाल उठ रहे हैं। आखिर इसका जिम्मेदार कौन है। खारघर इलाके के सेंट्रल पार्क में आयोजित महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार के दौरान हजारों की भीड़ जुटी थी। हीट स्ट्रोक की वजह से तकरीबन सवा सौ लोग बीमार हो गए हैं। 24 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लोगों की मौत की वजह गर्मी बताई जा रही है। लेकिन घटनास्थल पर बदइंतजामी को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। हजारों लोग कई घंटे तक तेज धूप के नीचे खड़े थे। कई लोगों ने डिहाइड्रेशन और बेहोशी की शिकायत की। इस तरह की घटनाएं अन्य राज्यो में भी हो चुकी है इस तरह की धटनाएं न हो लगाम लगाने की जरूरत है।

आयोजन में महाराष्ट्र के दूरदराज के इलाकों से लोग पहुंचे थे। इसके अलावा मध्य प्रदेश, कर्नाटक और गुजरात से भी लोग आए थे। नवी मुंबई के ग्राउंड पर बड़ी संख्या में लोग उमड़े थे। कार्यक्रम के दौरान हजारों लोग खड़े थे। बैठने की व्यवस्था थी लेकिन फिर भी भीड़ के आगे जगह कम पड़ रही थी। कार्यक्रम देखने के लिए ऑडियो और वीडियो प्लेयर भी लगाए गए थे। आयोजकों की ओर से भीड़ को धूप से बचाने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं होने से सवाल खड़े हो रहे हैं। सीधे धूप की चपेट में आकर 120 से ज्यादा लोग बीमार पड़े, वहीं 11 लोगों की जान चली गई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अस्पताल में भर्ती बीमार लोगों का हाल जाना। सीएम शिंदे ने कहा कि कार्यक्रम संपन्न हो गया लेकिन अंत में यह घटना हुई। शिंदे ने कहा कि प्रत्येक मृतक के परिजन को पांच-पांच लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस घटना के चलते अस्पताल में भर्ती हुए लोगों को मुफ्त इलाज मुहैया किया जाएगा। राज्य सरकार उनके इलाज के लिए अपने खजाने से भुगतान करेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि अगर मरीजों का अतिरिक्त इलाज किये जाने की जरूरत है तो उन्हें विशेष अस्पतालों में भेजा जाए। उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे और एनसीपी नेता अजीत पवार ने एमजीएम कमोठे अस्पताल पहुंचकर इलाज करा रहे लोगों से मुलाकात की। इस बीच उद्धव ठाकरे ने कहा है कि जिन लोगों का इलाज चल रहा है, हमने उनसे मुलाकात की। 4-5 लोगों से बातचीत की है, उनमें से दो की हालत गंभीर है। इस कायक्रम की योजना ठीक से नहीं बनाई गई थी। उन्होंने पूछा कि इस घटना की जांच कौन करेगा?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भूस्खलन और जलवायु परिवर्तन की चुनौती

पंकज चतुर्वेदी

अभी तक लगभग सात लाख लोग चार धाम यात्रा के लिए अपना पंजीयन करवा चुके हैं। अकेले बदरीनाथ के लिए चार लाख से अधिक पंजीयन हैं। इसके अलावा सरकार ने घोषणा की है कि उत्तराखंड के स्थानीय लोगों को पंजीयन की जरूरत नहीं है। हेलीकाप्टर सेवा का पंजीयन शुरू हुआ और 30 अप्रैल तक के सभी 6263 टिकट बिक गए। याद रहे गत वर्ष एक लाख 36 लोगों ने हेलीकाप्टर सेवा का इस्तेमाल किया था। विदित हो गंगोत्री-यमुनोत्री के पट 22 अप्रैल को खुल जायेंगे जबकि बदरीनाथ के 27 को। इसी साल जनवरी में जोशीमठ शहर का धंसना शुरू हुआ था, जो अभी भी जारी है, बस अब किसी को उसकी परवाह नहीं है। ऋषिकेश से बदरीनाथ तक का राष्ट्रीय राजमार्ग जोशीमठ होते हुए ही चीन की सीमा पर बसे माणा तक जाता है, इस मार्ग का 12 किलोमीटर हिस्सा जोशीमठ से गुजरता है।

जोशीमठ में बरपे कुदरती कहर के बाद 81 परिवारों के 694 लोगों पर नई आफत आ गई है क्योंकि अभी तक तो ये लोग शहर के निरापद हिस्से में बने होटल-धर्मशालाओं के एक-एक कमरे में जैसे-तैसे दिन बिता रहे थे, अब इनको यह स्थान खाली करने को कह दिया गया है क्योंकि चार धाम यात्रियों की बुकिंग आने लगी है। सरकार ने ढाक में कुछ प्री-फेब्रिकेटेड मकान बनाये हैं लेकिन अभी उनका वितरण नहीं हुआ है। जब दुनिया पर जलवायु परिवर्तन का कहर सामने दिख रहा है, हिमालय पहाड़ पर, विकास की नई परिभाषा गढ़ने की तत्काल जरूरत महसूस हो रही है। तब हम इन सभी खतरों को नजरअंदाज कर हजारों लोगों को आमंत्रित कर रहे हैं। इस समय चमोली के गोचर से बदरीनाथ तक के 131 किलोमीटर लम्बे मार्ग पर 20 स्थान ऐसे हैं जहां लगातार भूस्खलन हो रहा है। मारवाड़ी क्षेत्र में सर्वाधिक मलबा गिर रहा है। चटवा पीपल से पंच पुलिया के बीच का हिस्सा, नंदप्रयाग का पर्थाडीप का हिस्सा, मैठाणा, कुहड़ से बाजपुर के बीच का हिस्सा, चमोली चाड़ा, बिरही चाड़ा, भनारपानी, हेलंग चाड़ा, रेलिंग से पैनी तक, विष्णुप्रयाग से टैया पुल के पास तक का हिस्सा, खचड़ानाला, लामबगड़ से जेपी पुल तक का हिस्सा, हनुमान चट्टी से रड़ांग बैंड के बीच वाले हिस्से में कभी भी मलबा गिर सकता है, यह बात प्रशासन ने स्वीकार की है।

यमुनोत्री जाने वाला उत्तरकाशी के धरासू से जानकी चट्टी तक के 110 किलोमीटर सड़क को नाम भले ही हाईवे का दिया हो लेकिन बड़े अधिकारी खुद यमुनोत्री हाईवे की स्थिति को बेहद खराब बता चुके हैं। वे कह चुके हैं कि

हाईवे पर कई स्थानों पर बोटल नेक है, चौड़ीकरण का कार्य भी चल रहा है, इससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। जिला प्रशासन ने राना चट्टी व किसाला मोड़ पर हाईवे को संवेदनशील बताया है। इसके अलावा कुथौर पूल, पालिग ?, नागेला, फूलचट्टी जैसे सात स्थान भूस्खलन प्रभावित घोषित हैं। केदारनाथ धाम जाने वाले रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड पर भी धंसाव की खबरे हैं। प्रशासन उसमें मलबा भर रहा है लेकिन थोड़ी बरसात होते ही मलबा भी बह जा रहा है और दरारें गहरी हो रही हैं। चिन्यालीसौड से गंगोत्री तक के 140 किलोमीटर लंबे रास्ते को 52 किलोमीटर को मलबा गिरने के लिए अति- संवेदनशील घोषित किया गया है। जान लें पहाड़ पर जहां-जहां सर्पीली सड़क पहुंच रही है, पर्यटक का बोझा बढ़ रहा है, पहाड़ों के दरकने-सरकने की घटनाएं बढ़ रही हैं। उत्तराखंड सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग और विश्व बैंक ने सन् 2018 में एक अध्ययन करवाया था जिसके अनुसार छोटे से उत्तराखंड में 6300 से अधिक स्थान भूस्खलन जोन के रूप में चिन्हित किये गये। रिपोर्ट कहती है कि राज्य में चल रही हजारों करोड़ की विकास परियोजनाएं पहाड़ों को काट कर या जंगल उजाड़ कर ही बन रही हैं और इसी से भूस्खलन जोन की संख्या में इजाफा हो रहा है। चार धाम यात्रा के लिए एक बड़ी चुनौती बेमौसम बर्फबारी होना भी है। मार्च महीने के आखिरी हफ्ते में जमकर बर्फबारी हो गई। पहले तो यहां बर्फ साफ कर दी गई थी लेकिन लगातार हो रही बर्फबारी के कारण फिर से यहां बर्फ जमने लग गई है।

लगातार हो रही बर्फबारी के कारण केदारनाथ धाम में द्वितीय चरण के पुनर्निर्माण कार्य गति नहीं पकड़ पा रहे हैं। अब मौसम साफ होने पर कामगार दोबारा केदारनाथ धाम जाएंगे। केदारनाथ मंदिर परिसर में चार से पांच फीट बर्फ जमी थी, जिसे मजदूरों ने साफ कर दिया था, लेकिन लगातार हो रही बर्फबारी के कारण मंदिर परिसर में फिर से बर्फ जमने लग गई है। हेलीपैड से केदारनाथ में लगातार बर्फ की सफाई जारी है। यहां मशीनों के जरिए भी बर्फ को साफ किया जा रहा है। हालांकि इसके बाद एक बार फिर केदारनाथ पैदल मार्ग ने बर्फ की चादर ओढ़ ली है।

शब्दों की असीम शक्ति से संवारिये जिंदगियां

मनोविज्ञानी कहते हैं कि समाज में कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो अकारण 'विघ्न संतोषी' होते हैं। मंथरा की तरह उन्हें किसी की खुशी अच्छी ही नहीं लगती। ये व्यक्ति वस्तुत: अकर्मण्य होते हैं और इनका चिंतन समाज में सदैव नकारात्मक ही रहता है। ये खुद तो जीवन में कभी सफल हो नहीं पाते, इसीलिए किसी और की सफलता इन्हें कतई नहीं सुहाती।आज मुझे एक बड़ी ही रोचक और प्रेरक बोध-कथा पढ़ने को मिली, जो ऐसे ही विघ्न संतोषियों के चरित्र को उजागर करती है और सिद्ध करती है कि किसी के सकारात्मक शब्द जीवन में कैसे संजीवनी बन जाते हैं।

योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

समाज में आज सर्वत्र आपको ऐसे लोग सरलता से मिल जाएंगे, जो बिना कारण आपको हतोत्साहित करके आपके कार्य से विमुख करना चाहेंगे। आप कोई परीक्षा देना चाहें और आपके आसपास के किसी व्यक्ति को इस का पता चल जाए, तो आते ही भाषण देने लगेगा कि यार तुम भी क्या सठिया गए हो? अब परीक्षा देने की भला क्या तुक है? मजा करो, फेल हो जाओगे तो बेकार में बदनामी और जगहंसाई होगी। हिम्मत बंधाना तो दूर की बात है, वे हजार बुराइयां और मुसीबत निकाल देंगे। ऐसे तो बस, विरले ही मिलते हैं, जो आपकी तारीफ करें और कहें कि बहुत अच्छी बात है। कोई मुश्किल हो तो हम मदद करेंगे, परीक्षा जरूर दो। मनोविज्ञानी कहते हैं कि समाज में कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो अकारण 'विघ्न संतोषी' होते हैं। मंथरा की तरह उन्हें किसी की खुशी अच्छी ही नहीं लगती। ये व्यक्ति वस्तुत: अकर्मण्य होते हैं और इनका चिंतन समाज में सदैव नकारात्मक ही रहता है। ये खुद तो जीवन में कभी सफल हो नहीं पाते, इसीलिए किसी और की सफलता इन्हें कतई नहीं सुहाती।

आज मुझे एक बड़ी ही रोचक और प्रेरक बोध-कथा पढ़ने को मिली, जो ऐसे ही विघ्न संतोषियों के चरित्र को उजागर करती है और सिद्ध करती है कि किसी के सकारात्मक शब्द जीवन में कैसे संजीवनी बन जाते हैं। यह बोध-कथा इस प्रकार है - 'एक नौजवान चीता पहली बार जंगल में शिकार करने निकला। अभी वो कुछ ही आगे बड़ा था कि एक चालाक लकड़बग्घा आया और उसे रोकते हुए बोला, 'अरे छोटू राजा! कहां जा रहे हो अकेले-अकेले?' 'मैं तो आज पहली बार अकेले अपने दम पर शिकार करने निकला हूं!' नौजवान चीता बहुत रोमांचित होते हुए बोला। चालाक लकड़ बग्घा उपेक्षा से बोला— 'छोटू जी! अभी तो तुम्हारे खेलने-कूदने के दिन हैं। तुम अभी बहुत छोटे हो और तुम्हे शिकार करने का कोई अनुभव भी तो नहीं है। तुम भला क्या शिकार करोगे?' लकड़ बग्घे की बात सुनकर युवा चीता उदास हो गया। दिनभर शिकार के लिए वो बेमन इधर-उधर घूमता रहा। उसने कुछ एक प्रयास भी किये, पर सफलता नहीं मिली और उसे भूखे पेट ही घर लौटना पड़ा। अगली सुबह वो एक बार फिर शिकार के लिए निकला। कुछ दूर जाने पर उसे एक उदारमना बूढ़े बन्दर ने देखा और पूछा 'कहां जा रहे हो बेटा?' 'बंदर मामा, मैं आज अकेले शिकार पर जा रहा हूं।'

चीता उत्साह में भर कर बोला। बंदर मामा युवा का उत्साह देख प्रसन्न होकर बोला, 'बहुत अच्छे। अपने बाप की तरह तुम में भी खूब ताकत और गति है। इनके कारण तुम तो बेहद कुशल शिकारी बन सकते हो। जाओ, तुम्हें जंगल में जल्द ही बड़ी सफलता मिलेगी।' बूढ़े बंदर मामा की यह बात सुनकर युवा चीता उत्साह से भर गया और कुछ ही समय में उसने एक छोटे हिरन का शिकार कर लिया। आज उसे अपनी ताकत का अहसास हो गया और उसका आत्मविश्वास लौट आया।'

सच मानिए! हमारी जिन्दगी में 'शब्द' बहुत महत्व रखते हैं। दोनों ही दिन चीता तो वही था, उसमें वही फूर्ति और वही ताकत थी, लेकिन जिस दिन उसे चालाक लगड़ बग्घे द्वारा हतोत्साहित किया गया, उस दिन वो असफल हो गया और जिस दिन उदार बंदर मामा ने उसे प्रोत्साहित किया, वो सफल हो गया। इस कथा का मर्म यह है कि हमें जब सकारात्मक सोच वाले व्यक्ति सलाहकार के रूप में मिल जाएंगे, हम सफल हो जाएंगे और जब-जब निकम्मे और नकारात्मक चिंतन वालों से हम मिलेंगे, हमारी हिम्मत टूटती जाएगी। बड़ों ने कहा है, 'गिरते हैं सहसवार ही मैदान जंग में, जिसने लगाई ऐड़, वो खंदक के पार था।' इस कथा से यह सीख मिलती है कि हम अपने शब्दों से किसी को भी 'हतोत्साहित' कदापि न करें, बल्कि सहयोगी बनकर हिम्मत बढ़ाएं। साथ ही, हम ऐसे लोगों से बचें, जो हमेशा नेगेटिव सोचते और बोलते हों। समाज मे उनका साथ करें, जिनका दृष्टिकोण सकारात्मक हो। हमें सोचना होगा शब्द बहुत ताकतवर होते हैं और 'शब्द' ही हमारे विचार बन जाते हैं। हमारे विचार ही हमारी जिन्दगी की हकीकत बन कर सामने आते हैं इसलिए शब्दों की शक्ति को पहचान कर सकारात्मक शब्दों का प्रयोग करें। ये शब्द हमारी जिन्दगी बदल सकते हैं! याद रखिए

'शब्द 'ब्रह्म' होता सखे, शक्ति लिए अपार।
साहस जब दे शब्द तो, बदल जाय संसार।'

स्वस्थ मन से ही बनता है स्वस्थ शरीर

संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए शारीरिक और मानसिक दोनों ही तरह की सेहत को लेकर सजग रहना आवश्यक है। कोरोना महामारी के दौर में बनी प्रतिकूल परिस्थितयां इस बात को और भी बल देती हैं। वैश्विक स्तर पर हुए कई अध्ययन इस बात की पुष्टि करते है कि महामारी का लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव हुआ है। यही कारण है कि पिछले दो साल में चिंता-अवसाद और तनाव से संबंधित विकार से पीड़ित लोगों की संख्या में तेज उछाल देखने को मिला है। शोधकर्ताओं का कहना है कि मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखना आपकी प्राथमिकताओं में से अवश्य होना चाहिए। बिना स्वस्थ मन के, स्वस्थ शरीर की कल्पना करना बेमानी होगी। पिछले एक साल में बढ़े मनोरोगियों की संख्या भविष्य के लिए अलार्मिंग है। हमारी जीवनशैली, आहार और भावनात्मक परिवेश कई तरह से इन समस्याओं को बढ़ा रहे हैं, जिसको लेकर सभी लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। आइए जानते है कि किन बातों को ध्यान में रखकर इस बड़ी चुनौती से मुकाबला किया जा सकता है?

बेहतर आहार जरूरी

हम क्या खाते हैं, इसका सीधा असर हमारे शारीरिक-मानसिक दोनों तरह की सेहत को प्रभावित करता है। यही कारण है कि सभी लोगों को स्वस्थ और पौष्टिक आहार के सेवन की सलाह दी जाती है। शरीर के अन्य अंगों की तरह ही आपके मस्तिष्क को स्वस्थ रहने और अच्छी तरह से कार्य करने के लिए पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। आहार में प्रोटीन, विटामिन्स और फाइबर युक्त चीजों की मात्रा को बढ़ाएं। प्रोसेस्ड और पैक्ड फूड आइटम्स से परहेज करें।

मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं गंभीर चुनौती

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक रिपोर्ट के मुताबिक अधिकांश निम्न और मध्यम आय वाले देशों में मानसिक स्वास्थ्य सेवा वितरण में प्रगति काफी धीमी रही है। यह सामाजिक विकास में बड़ा बाधक बन सकती है। डब्ल्यूएचओ के पहले महानिदेशक डॉ. ब्रॉक चिशोल्म ने कहा था, बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के बिना, शारीरिक स्वास्थ्य ठीक रह ही नहीं सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक इस बारे में लोगों को जागरूकता करने की आवश्यकता है। मेंटल हेल्थ को लेकर फैले स्टिग्मा और अज्ञानता के साथ गलत जानकारियां बड़ी चुनौती हैं।

भावनाओं को व्यक्त करें

अपनी भावनाओं के बारे में बात करना कमजोरी का संकेत नहीं है। बात करना उस समस्या से निपटने का एक तरीका हो सकता है जिसे आप कुछ समय से अपने दिमाग में लेकर चल रहे हैं। लोगों के प्रति अपने प्रेम, अनुभूतियों को व्यक्त करें और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें। दिमाग में किसी बात को लेकर बैठे रहने से तनाव-चिंता बढ़ती है। यह आदत आपको अधिक नकारात्मक बना सकती है जिसका सीधा असर आपके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।

वह करें जिससे मिले आपको खुशी

खुश रहना, बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत आवश्यक है। इसके लिए अपने पसंद की चीजें करें, रचनात्मक बनें। खुद का आनंद लेने से तनाव को दूर करने में मदद मिलती है। आप जिस गतिविधि का आनंद लेते हैं उसे करने का मतलब है कि आप इसमें अच्छे हैं और कुछ हासिल करने से आपके आत्म-सम्मान में वृद्धि होती है। अच्छी किताबें पढ़ने, अच्छे संगीत, साइकिलिंग आदि से चिंताओं को भूलने और मूड को बेहतर बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

हंसना मना है

गुरुजी- बच्चों मुझे बताओ, पहले जिस जगह का नाम मद्रास था अब उसे किस नाम से जाना जाता है..? पप्पू- चेन्नई । गुरुजी -बिलकुल सही जवाब.. अब मुझे ये बताओ कि ये चेन्नई नाम क्यूं रखा गया..? पप्पू-क्योंकि, सर वहां के लोग लूंगी पहनते हैं। और लूंगी में पैंट की तरह चैन नहीं होती.. इसलिए (चैन नहीं) चेन्नई ये नाम रखा गया..!! गुरुजी ने उसे पैंट फटने तक मारा..

मास्टरजी- दीवारों के भी कान होतें है, ये मुहावरे के हिसाब से हमें किस चीज में सावधानी रखनी चाहिये? पिंटू- सर.. मैं बताऊं? हमें दीवारों पे पेशाब नहीं करना चाहिये, वर्ना उनकें कान में पानी चला जायेगा!

टीचर- बिजली कहां से आती है? टीटू - सर, मामाजी के यहां से। टीचर- वो कैसे? टीटू- जब भी बिजली जाती है पापा कहते हैं, सालों ने फिर बिजली काट दी।

मास्टर- हाथ कंगन तो आरसी क्या, इस मुहावरे का अर्थ कौन बतायेगा? पप्पू - मैं बताऊं मास्टर जी, मास्टर- हां बता, पप्पू- हाथ कंगन तो आरसी क्या, इसका मतलब जो लड़कियां हाथ में कंगन पहनकर स्कूटी चलाती हैं पुलिस उनसे आरसी नहीं मांगती? मास्टर बेहोश।

कहानी | चोर की दाढ़ी में तिनका

बच्चों, अकबर और बीरबल के कई कहानियां प्रसिद्ध हैं। यह कहानियां सभी के दिल में अपनी छाप छोड़ने के साथ-साथ अच्छी शिक्षा देना का भी काम करती हैं। उन्हीं में से एक है, चोर की दाढ़ी में तिनका। एक बार की बात है, बादशाह अकबर की सबसे प्यारी अंगूठी अचानक गुम हो गई थी। बहुत ढूंढने पर भी वह नहीं मिली। इस कारण बादशाह अकबर चिंतित हो जाते हैं और इस बात का जिक्र बीरबल से करते हैं। इस पर बीरबल, महाराजा अकबर से पूछते है कि महाराज, आपने अंगूठी कब उतारी थी और उसे कहां रखा था।' बादशाह अकबर कहते हैं, 'मैंने नहाने से पहले अपनी अंगूठी को अलमारी में रखा था और जब वापस आया, तो अंगूठी अलमारी में नहीं थी।' फिर बीरबल, अकबर से कहते हैं कि तब तो अंगूठी गुम नहीं चोरी हुई है और यह सब महल में साफ-सफाई करने वाले किसी कर्मचारी ने ही किया होगा।' यह सुनकर बादशाह ने सभी सेवकों को हाजिर होने को कहा। उनके कमरे में साफ-सफाई करने के लिए कुछ 5 कर्मचारी तैनात थे और पांचों हाजिर हो गए। सेवकों के हाजिर होने के बाद बीरबल ने उन सभी को कहा कि महाराज की अंगूठी चोरी हो गई है, जो अलमारी में रखी थी। अगर आप में से किसी ने उठाई है, तो बता दे, वरना मुझे अलमारी से ही पूछना पड़ेगा।' फिर बीरबल अलमारी के पास जाकर कुछ फुसफुसाने लगे। इसके बाद मुस्कुराते हुए पांचों सेवकों से कहा कि चोर मुझसे बच नहीं सकता है, क्योंकि चोर की दाढ़ी में तिनका है।' यह बात सुनकर उन पांचों में से एक ने सबसे नजर बचाकर दाढ़ी में हाथ फेरा जैसे कि वह तिनका निकालने की कोशिश कर रहा हो। इसी बीच बीरबल की नजर उस पर पड़ गई और सिपाहियों को तुरंत चोर को गिरफ्तार करने का आदेश दिया। जब बादशाह अकबर ने उससे सख्ती से पूछा, तो उसने अपना गुनाह काबुल कर लिया और बादशाह की अंगूठी वापस कर दी। बादशाह अकबर अपनी अंगूठी पाकर बेहद प्रसन्न हुए।

कहानी से सीख: इस कहानी से यह सीख मिलती है कि ताकत की जगह दिमाग का इस्तेमाल करने से हर समस्या का हल मिल सकता है।

7 अंतर खोजें

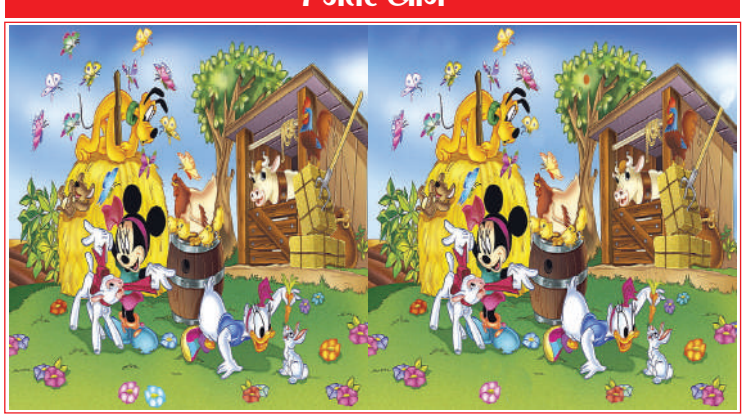

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज कानूनी कार्यवाही में सफलता की आशा रहेगी। आप अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट रखें, सुबह ही दिन का कार्यक्रम बना लें, वरना परेशान हो सकते हैं।

वृषभ

आज का दिन आपके लिए थोड़ा परेशानी जनक हो सकता है क्योंकि आपके खर्चों में बढ़ोतरी होगी और इनकम थोड़ी कम होगी, लेकिन परिवार का सहयोग मिलेगा।

मिथुन

आज आप घरेलू कार्यों में व्यस्त रहेंगे। वाहन खरीदने का योग बन रहा है। लेकिन कुछ दिन रुक जाना अच्छा रहेगा। घरवालों के साथ बेहतर तालमेल बनाने में आप सफल होंगे।

कर्क

सरकारी कार्यालयों में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संबंधों में मधुरता आएगी। आज आप थोड़े सुस्त बने रहेंगे। घर परिवार में किसी से भी अनुबन हो सकती है।

सिंह

आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा। आपके कई काम बनेंगे और व्यापार के सिलसिले में बेहद अच्छे नतीजे मिलेंगे। विदेशी संपर्कों का भी आपको लाभ होगा।

कन्या

आज आपका ध्यान आध्यात्म की ओर अधिक रहेगा। विद्यार्थियों को करियर से रिलेटेड अच्छे मौके मिलेंगे। नये लक्ष्य को निर्धारित करने के लिए आज का दिन शुभ है।

तुला

आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। अपने सबसे गहरे विचारों और भावनाओं को गोपनीय ही बने रहने दें। आज आपके सामने ऐसे कई जरूरी मामले आएंगे।

वृश्चिक

आपके लिए आज का दिन मध्यम रूप से फलदायक रहेगा। आप अपने आप पर ध्यान देंगे और खुद को नए संसाधनों का प्रयोग कर बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे।

धनु

जो जातक वर्क फ्रॉम होम कर रहे है वो आज आपने काम के प्रति बेहद एक्टिव रहेंगे। कई दिनों से रुका काम को पूरा करके आज आप राहत की सांस लेंगे।

मकर

आज कुछ दोस्तों के द्वारा आपकी मदद करने से इनकार करने पर आप निराश भी हो सकते हैं। दूसरों की भलाई करने के चक्कर में आप खुद परेशानी में आ सकते हैं।

कुम्भ

आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहेगा लेकिन सेहत को लेकर आपको चिंतित रहेंगे। पेट में दर्द, एसिडिटी, ऐंठन परेशान कर सकती है। नींद पूरी लेने की कोशिश करें।

मीन

आज आपका उदार भाव लोगों को काफी प्रभावित करेगा। आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। अपने किसी काम में आपको दोस्त की मदद मिलेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरे गानों में अश्लीलता होती तो लोग सुनते क्यों : हनी सिंह

सिंगर-रैपर हनी सिंह अपनी नई एल्बम हनी सिंह 3.0 के साथ जनता के बीच आ रहे हैं। इस एल्बम का गाना नागिन शनिवार को ही रिलीज हुआ है। बॉलीवुड से दूर रहने के बाद हनी ने पिछले साल आई भूल भुलैया 2 के गाने से फिर वापसी की। इस साल अक्षय कुमार और इमरान हाशमी की फिल्म सेल्फी में भी उनका एक गाना था। हनी के गानों में लिरिक्स को लेकर उनकी काफी आलोचना होती रही है। उनपर कई बार इस तरह के आरोप लगते रहे हैं कि उनके गाने मिसोजिनी को प्रमोट करते हैं। नई एल्बम के साथ जनता को एंटरटेन करने आ रहे हनी सिंह से जब इस बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उन्होंने इरादतन कभी ऐसा नहीं किया। गानों में मिसोजिनी पर बोले हनी सिंह पिंकविला से बात करते हुए हनी ने अपने गानों के भद्दे लिरिक्स को लेकर जवाब दिया। उन्होंने कहा, पहले भी मैंने, इरादतन ऐसा कुछ नहीं लिखा। अगर ऐसा था, तो लोग सुनते क्यों हैं? अगर मेरे गानों में मिसोजिनी होती है, तो कोई मुझे अपनी बेटी की शादी में परफॉर्म करने क्यों बुलाएगा। मैंने पिछले 15 साल में कितनी सारी शादियों में परफॉर्म किया है। मैंने बहुत परफॉर्म किया है। आंटियां स्टेज पर ऊपर आती हैं और मेरे साथ आंटी पुलिस बुला लेगी लिरिक्स पर डांस करती हैं। ऐसा नहीं है। अब लोग ज्यादा सेंसिटिव हो रहे हैं हनी ने अपनी बात रखते हुए करण अर्जुन के गाने मुझको राणा जी माफ करना का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस समय लोगों को इस गाने से कोई ऐतराज नहीं था। हनी ने कहा, लोग ज्यादा सेंसिटिव हो गए हैं, जितना ज्यादा वो पड़ रहे हैं। वो ज्यादा सेंसिटिव होते जा रहे हैं। वो इसे गलत समझ रहे हैं। पहले लोग ज्यादा इंटेलेक्चुअल थे, इंटेलेक्चुअल होने और पढ़े-लिखे होने में एक फर्क होता है।

जान्हवी-सारा के साथ फिल्म करने को बेताब हैं अनन्या

अनन्या पांडे अक्सर चर्चा में रहती हैं। वह जल्द ही आयुष्मान खुराना के साथ फिल्म ड्रीम गर्ल 2 में नजर आएंगी। इस बीच अनन्या ने एक ऐसी मल्टीस्टारर फिल्म में काम करने की इच्छा जाहिर की है, जिसमें महिलाएं मुख्य भूमिकाओं में हों। इतना ही नहीं, अनन्या की यह भी ख्वाहिश है कि ऐसी किसी फिल्म में उन्हें जान्हवी कपूर और सारा अली खान के साथ स्क्रीन साझा करने का मौका मिले। बॉलीवुड में अभिनेत्रियां अब मल्टी-स्टारर फिल्मों में नजर आ रही हैं। फिल्म वीरे दी वेडिंग में करीना कपूर, सोनम कपूर, स्वरा भास्कर और शिखा तलसानिया जैसी एक्ट्रेस एक साथ नजर आई थीं। इसके अलावा फैंस की नजर अभी से फरहान अख्तर की जी ले जरा पर टिकी हैं। रोड ट्रिप पर आधारित इस फिल्म में कटरीना कैफ, आलिया भट्ट और प्रियंका चोपड़ा साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। वहीं वीरे दी वेडिंग की प्रोड्यूसर रिया कपूर ने करीना, तब्बू और कृति सेनन को लेकर अपनी अगली फिल्म का एलान कर दिया है। इस बीच अनन्या ने भी अपनी इच्छा बताई है।

गहराइयां में आई थीं नजर

बता दें कि अनन्या पांडे 2022 में आई फिल्म गहराइयां में दीपिका पादुकोण के साथ नजर आई थीं। अब अनन्या एक ऐसी मल्टीस्टारर फिल्म करना चाहती हैं, जिसमें महिलाएं लीड रोल में हों। जब उनसे पूछा गया कि वह किसके साथ स्क्रीन शेयर करना चाहेंगी? इस पर अनन्या ने तुरंत कहा, अगर सारा अली खान और जान्हवी कपूर के साथ मुझे कास्ट किया जाए तो यह काफी मजेदार होगा।

साउथ फिल्मों में काम करना चाहते हैं अनिल कपूर!

अनिल कपूर हिंदी सिनेमा में काफी समय से सक्रिय हैं। उन्होंने एक से बढ़कर फिल्में दी हैं। अनिल कपूर अपनी फिटनेस के लिए भी जाने जाते हैं। उनके बारे में कहा जाता है कि वह अपनी उम्र के साथ और जवान होते जा रहे हैं। हाल ही में उनकी वेब सीरीज द नाइट मैनेजर डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई है। अब वह बहुत जल्द फाइटर और एनिमल में नजर आने वाले हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेता ने साउथ फिल्मों में काम करने पर बात की।

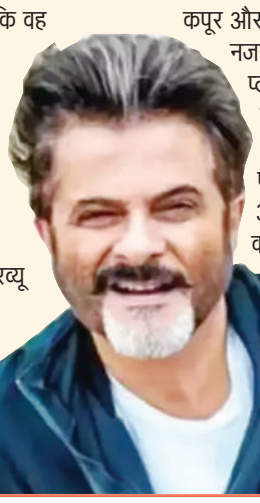

अनिल कपूर हाल ही में रिलीज हुई द नाइट मैनेजर में नजर आए हैं। इस सीरीज में उनके साथ आदित्य रॉय कपूर और शोभिता धूलिपाला नजर आए। डिजिटल प्लेटफॉर्म के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा डिजिटल प्लेटफॉर्म के कारण अब लोगों तक मूल कंटेट आसानी से पहुंच जाता है। जब लोगों को इस बारे में पता नहीं था तब चीजें आसानी से नहीं मिल पाती थीं, लेकिन आजकल डिजिटल प्लेटफार्म की वजह से लोगों को मौलिक कंटेंट के बारे में पता लग जाता है।

रीमेक और साउथ सिनेमा में काम करने के सवाल पर अनिल कपूर ने कहा, अमेरिकन शो होमलैंड इजरायली शो प्रिजनर्स आफ वार से प्रेरित होकर बना है। मेरी फिल्म वो सात दिन, बेटा, विरासत, जुदाई किताबों पर आधारित थीं। जो कहानियां अच्छी होती हैं, उन पर कभी शो बनते हैं, तो कभी फिल्में। हम बतौर कलाकार स्क्रिप्ट सुनते हैं, फिर देखते हैं कि उसके पीछे कौन निर्माता है, कौन निर्देशित कर रहा है। सब चीजें सही हो जाती हैं तो हम हां कर देते हैं।

साउथ इंडस्ट्री में जाने पर दिया ऐसा रिएक्शन

बता दें कि बीते दिनों अनिल कपूर ने कांतारा के निर्देशक ऋषभ शेट्टी के साथ काम करने की इच्छा जताई थी। इस बारे में जब अनिल कपूर से सवाल किया गया कि क्या उनका झुकाव दक्षिण की ओर हो रहा है, तो अभिनेता ने कहा, मैं कहीं भी जाने को तैयार हूं, बस रोल अच्छा हो, निर्देशक अच्छा हो और थोड़े बहुत पैसे मिल जाएं।

अजब-गजब | यहां लाखों औरतों को किया गया था किडनैप

यहां 100 दिन में 8 लाख से ज्यादा लोगों को उतारा गया था मौत के घाट

इंसान ही जब इंसानियत का दुश्मन बन जाए और वहां की सरकार उसे कत्लेआम के लिए प्रेरित करे तो उसका परिणाम भीषण नरसंहार होता है। ऐसा ही एक नरसंहार 1990 के दशक में हुआ। इसमें 8 लाख से अधिक लोगों को निर्मम तरीके से मार दिया गया था। इसके अलावा लाखों औरतों को अपहरण कर सेक्स-स्लैव बनाकर रखा गया था।

कई लोगों की दूसरे समुदाय से आने वाले उनके प?ोसियों, रिश्तेदारों ने हत्या कर दी थी। यहां तक कि कई लोगों ने अपनी पत्नियों की धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी थी। यह सामूहिक वध पूर्वी अफ्रीकी स्थित देश रवांडा में हुआ था। यहां तुत्सी और हूतू समुदायों के बीच भयानक जनसंहार हुआ था। इसे तुत्सी के खिलाफ नरसंहार के रूप में भी जाना जाता है। नरसंहार में हूतू जनजाति से जुड़े चरमपंथियों ने अल्पसंख्यक तुत्सी समुदाय के लोगों को निशाना बनाया था। रवांडा की कुल आबादी में हूतू समुदाय का हिस्सा 85 प्रतिशत है। इसके बाद भी लंबे समय तक तुत्सी अल्पसंख्यकों का देश पर दबदबा था। 6

अप्रैल 1994 की रात रवांडा के तत्कालीन राष्ट्रपति जुवेनल हाबयारिमाना और पड़ोसी बुरुंडी के राष्ट्रपति केपरियल नतारयामिरा एक विमान से जा रहे थे। इस विमान को किगाली, रवांडा में गिराया गया था। विमान में सवार सभी लोग इसमें मारे गए थे। बता दें कि ये दोनों नेता हूतू समुदाय से आते थे। जहाज किसने गिराया था, इसका पुख्ता सबूत नहीं मिला था। लेकिन कुछ लोगों ने हूतू चरमपंथियों को इसके लिए जिम्मेदार माना था। जिससे कि नरसंहार का बहाना मिल सके। वहीं कुछ लोगों ने तुत्सी समर्थित रवांडा पैट्रिएक फ्रंट को इसका जिम्मेदार माना था। इसके बाद हूतू कट्टरवादियों ने तुत्सी समर्थित रवांडा पैट्रिएक फ्रंट को जिम्मेदार बताकर अगले दिन 7 अप्रैल को कत्लेआम शुरू किया। उन्होंने अगले 100 दिनों तक अल्पसंख्यक तुत्सी समुदाय के लोगों की नृशंश हत्या की। हूतू चरमपंथियों ने आरटीएलएम नाम का एक रेडियो स्टेशन स्थापित किया था, जिससे चरमपंथियों को निर्देश देते हुए घोषणा की गई थी कि तिलचट्टों को साफ़ करो।

बीवी से तलाक मिलते ही खुशी से पगलाया शख्स, गाड़ी पर लिखा 'जस्ट डिवोर्स्ड'

शादी-ब्याह का रिश्ता ऐसा होता है, जो एक बार जुड़ जाए तो इसे निभाने की हर कोशिश की जाती है। खासकर हमारे देश में तो शादियां टूटना एक बड़े सदमे की बात होती है। हालांकि आज हम आपको जिस शख्स के बारे में बताने जा रहे हैं, उसका डिवोर्स जब फाइनल हुआ, तो दुखी होने के बजाय वो इसे फ्लॉन्ट करते हुए पूरे शहर में घूमता नज़र आया। कोई भी रिश्ता टूटता है तो आमतौर पर लोग इस बात पर शोक मनाते हैं लेकिन केंट के रहने वाले 58 साल के एक शख्स ने अपनी पत्नी को तलाक देने के बाद खुशियां मनाई। बाकायदा एक गाड़ी पर 'Just Divorced' का टैग लगाकर वो इसे शहर में घुमाता हुआ नज़र आया। 23 साल लंबा रिश्ता खत्म होने पर उसके चेहरे पर कोई शिकन नहीं थी। मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक शख्स का नाम एंगस केनेडी (Angus Kennedy) है। 58 साल के एंगस ने अपनी 47 साल की पत्नी सोफी केनेडी को 23 साल साथ रहने के बाद तलाक दिया है। अब वो अपने सिंगलहुड को सेलिब्रेट करने के लिए बाकायदा एक कार पर जस्ट डिवोर्स्ड लिखकर शहर में घुमा रहे हैं। उनका कहना है कि वो दिखाना चाहते हैं तलाक खुशी का विषय भी हो सकता है। ये एक नई शुरुआत भी हो सकती है। वहीं एंगस ने ये भी बताया कि तलाक के बाद भी वे और उनकी पूर्व पत्नी सोफी दोस्ती का रिश्ता रखेंगे। कपल के 11 से 23 साल त तक के 5 बच्चे हैं, जिनकी देखभाल भी वे मिलकर करने वाले हैं। चॉकलेट एक्सपर्ट एंगस जल्दी ही एक्वाडोर के जंगलों में रहकर इस पर काम भी करेंगे। इससे पहले उन्होंने अपनी शादी खत्म कर ली है। कुछ लोग उनके डिवोर्स कार में बैठने को शादी के खिलाफ कैंपेन की तरह देख रहे हैं लेकिन खुद एंगस ऐसा नहीं मानते हैं। उनकी पूर्व पत्नी सोफी भी उसी इलाके में रहती हैं और उनकी इस हरकत पर उन्हें कोई हैरानी नहीं हुई बल्कि उनका कहना है कि एंगस से ऐसी उम्मीद की जा सकती है।

मप्र में ओबीसी, एससी और एसटी को जोड़ेंगे : कमलनाथ

कांग्रेस खोलेगी भाजपा की पोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के लिए कांग्रेस ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। कांग्रेस अब ओबीसी, एससी और एसटी सीटों पर ज्यादा फोकस करेगी। इसे लेकर सोमवार को भोपाल में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के आवास पर कांग्रेस की चुनाव अभियान समिति की बैठक में चर्चा हुई। पिछली बार कांग्रेस को अनुसूचित जनजाति को बड़ी संख्या में सीटें मिली थी, जिससे उसने सत्ता में वापसी की थी। अब कांग्रेस अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति वर्ग के बीच सक्रिय होगी।

बता दें, भाजपा भी अनुसूचित जाति और जनजाति के वोटरों को साधने के लिए लगातार कार्यक्रम कर रही है।

ओबीसी के लिए 27 फीसदी आरक्षण हमारी देन

कांग्रेस जनता को बताएगी कि ओबीसी के लिए 27 फीसदी आरक्षण उनकी सरकार ने ही लागू किया जबकि भाजपा सरकार के कारण ओबीसी वर्ग को आरक्षण से वंचित रहना पड़ा। इसको लेकर कांग्रेस जल्द काम शुरू करेगी। इसके अलावा बैठक में हारी हुई सीटों पर भी चर्चा हुई। लगातार हार रही सीटों पर कांग्रेस के दिग्गज नेता लगातार दौर करेंगे। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह लगातार इन सीटों पर दौरा कर रहे हैं। उन्होंने अपने फीडबैक की भी बैठक में चर्चा की। पार्टी ने मालवा निमाड़ और विंध्य पर अधिक फोकस करने को लेकर भी चर्चा की। पार्टी जल्द ही विंध्य क्षेत्र में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के दौरे को लेकर कार्यक्रम भी बनाएगी। बैठक में दिग्विजय सिंह, अजय सिंह, डॉक्टर गोविंद सिंह, कांतिलाल भूरिया, अरुण यादव, सुरेश पचौरी, सज्जन सिंह वर्मा जीतू पटवारी, बाला बच्चन, मीनाक्षी नटराजन, तरुण भनोट, जयवर्धन सिंह, रामनिवास रावत।

सेन आयोग बनाने का किया वादा

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने सेन महाराज की जयंती पर सेन आयोग बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव जीतकर सरकार बनाती है तो वे सेन आयोग बनाएंगे। इसके अध्यक्ष को मंत्री का दर्जा दिया जाएगा। एक दिन पहले ही ग्वालियर में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छोटी जातियों के लिए वेलफेयर बोर्ड बनाने की घोषणा की थी। इस तरह कांग्रेस भी भाजपा को फॉलो करती नजर आ रही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को ग्वालियर में आंबेडकर सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा था कि अनुसूचित जाति समाज की प्रमुख उप-जातियों के अलग-अलग कल्याण बोर्ड बनाएंगे, जैसे- कोरी कल्याण बोर्ड, जाटव कल्याण बोर्ड। इनके अध्यक्ष और सदस्य भी बनाएंगे। अध्यक्ष को मंत्री का दर्जा दिया जाएगा। इनकी जिम्मेदारी समाज के बीच दौरा करना और समस्याओं को जानने का होगा। इसी तर्ज पर सोमवार को कमलनाथ ने भी घोषणा की। सेन महाराज की जयंती पर पीएंडटी चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में कमलनाथ ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनी तो सेन आयोग का गठन किया जाएगा। सेन समाज की जन्मस्थली बांधवगढ़ में भव्य स्मारक बनाया जाएगा।

आरएसएस ने आदिवासी क्षेत्रों में काम शुरू कर दिया है। वहीं, कांग्रेस अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के वोटरों के बीच पहुंचेगी।

मुकुल रॉय नई दिल्ली में मिले दर्ज हुई थी गुमशुदगी की रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता मुकुल रॉय लापता बताए जा रहे हैं। उनके बेटे शुभ्रांशु रॉय ने दावा किया कि उनके पिता को सोमवार शाम कोलकाता से दिल्ली की इंडिगो की उड़ान लेनी थी। यह उड़ान रात 9.55 बजे दिल्ली पहुंची, लेकिन रॉय को कोई पता नहीं था। मुकुल रॉय के बेटे ने कोलकाता के एनएससीबीआई एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। हालांकि वह नई दिल्ली पहुंच गए हैं,उन्होंने कहा मै काम से यहां आता जाता रहता हूं।

बेटे ने दर्ज कराई एफआईआर

सूत्रों के अनुसार, पिता-पुत्र के बीच बहस होने की बात सामने आई है। पत्नी की मृत्यु के बाद से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से घिरे मुकुल रॉय को फरवरी में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शुभ्रांश ने जहां दावा किया कि हवाई अड्डा पुलिस अधिकारियों के सामने शिकायत दर्ज कराई है। वहीं पुलिस सूत्रों ने कहा कि ऐसी कोई शिकायत नहीं मिली है। पिछले करीब डेढ़ साल पहले भाजपा से तृणमूल में शामिल होने वाले रॉय लगातार पब्लिक की नजरों से दूर थे। 2019 में बंगाल में भाजपा को लोकसभा की 40 में से 18 सीटें मिलने में उनकी बड़ी भूमिका मानी जाती है। 2021 के विधानसभा चुनाव में वह कृष्णानगर उत्तर सीट से विधायक चुने गए लेकिन भाजपा चुनाव हार गई।

एसटीएफ की रडार पर मध्य प्रदेश का हीरा कारोबारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। 24 फरवरी को प्रयागराज में हुए उमेश पाल हत्याकांड के बाद माफिया अतीक अहमद और उसके काले साम्राज्य के खिलाफ प्रशासन ने शिकंजा कसना शुरू किया। इस हत्याकांड में फरार चल रहे अतीक के बेटे असद को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया।

जांच एजेंसियां अतीक के काले साम्राज्य के बारे में छानबीन कर रही हैं। जिसमें एसटीएफ को मध्य प्रदेश का एक हीरा कारोबारी के बारे में जानकारी मिली है। इस हीरा कारोबारी के साथ अतीक ने अपनी काली कमाई का पैसा लगाया था।

एसटीएफ को जानकारी मिली है कि उमेश पाल हत्याकांड में फरार चल रहे गुड्डू मुस्लिम ने इस कारोबारी से संपर्क किया था। अब एसटीएफ इस हीरा कारोबारी के बारे में छानबीन कर रही है।

बता दें 24 फरवरी को प्रयागराज में बसपा विधायक राजू पाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल और उसके दो सरकारी

गनर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जिसके बाद सीसीटीवी कैमरों की मदद से जांच शुरू हुई तो उसमें अतीक का बेटा असद गोलियां बरसाते हुए नजर आ रहा था। जिसमें गुड्डू मुस्लिम ने बम फेंके थे। हालांकि इस हत्याकांड में शामिल 4 शूटरों को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया है।

इस केस में अभी गुड्डू मुस्लिम और अन्य आरोपित फरार हैं। गुड्डू पर यूपी प्रशासन की ओर से 5 लाख का इनाम घोषित किया गया है। एसटीएफ की कई टीमें इस शातिर अपराधी की पकड़ के लिए छापेमारी कर रही हैं।

तीन दिनों तक घर से निकलने से बचें

प्रदेश में गर्म हवाएं चलने की चेतावनी, प्रयागराज लगातार सबसे गर्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ तीखी गर्मी के साथ गर्म हवाओं का दौर अब प्रदेश में दस्तक दे सकता है। मौसम विभाग ने प्रदेश में मौसमी उठापटक के साथ गर्म हवाएं चलने की चेतावनी जारी करते हुए कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। जबकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर बारिश के भी आसार जताए हैं।

मौसम विभाग ने रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, अंबेडकरनगर, बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रविदासनगर, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, जालौन, हमीरपुर, झांसी और आसपास के इलाकों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक 18 से लेकर 20 अप्रैल तक प्रदेश में मौसमी बदलाव देखने को मिलेंगे। मंगलवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश

में कुछेक स्थानों पर बारिश के आसार हैं, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा। वहीं कुछ इलाकों में गर्म हवाएं चलने के आसार हैं। बुधवार को पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में गर्म हवाओं के चलने की चेतावनी जारी की गई है। बृहस्पतिवार को पूरे प्रदेश में बारिश के आसार हैं और मेघ गर्जन को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। कानपुर में भी पारे में विचलन बढ़ा, झांसी में अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री रहा। गर्मी के तेवर तल्ख होने के साथ ही पारा ने भी रिकॉर्ड बनाना शुरू कर दिया है। इसमें प्रयागराज लगातार सबसे गर्म बना हुआ है। सात दिन पहले ही प्रयागराज में अधिकतम पारा 40 डिग्री तक पहुंच गया था, जिसमें एक हफ्ते से मामूली उतार-चढ़ाव बना हुआ है। सोमवार को अधिकतम तापमान 44.6 डिग्री दर्ज हुआ, जबकि झांसी 43.6 डिग्री के साथ दूसरे स्थान पर रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र की ओर से जारी मौसम बुलेटिन के मुताबिक, तापमान में विचलन के आधार पर ये कहा जा सकता है कि प्रयागराज और कानपुर में लू जैसे हालात बने हुए हैं। यहां पारे में सामान्य से 4 डिग्री से अधिक विचलन है। कानपुर में तापमान 42.8 डिग्री दर्ज हुआ।

चिन्नास्वामी पर बरसे रिकॉर्ड, कुल 444 रन बने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। आईपीएल 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के मुकाबले में एक साथ कई रिकॉर्ड बने। इस मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 226 रन बनाए और बैंगलोर की टीम इसके जवाब में 218 रन ही बना सकी। इस मैच में कुल 444 रन बन गए। किसी आईपीएल मैच में इससे ज्यादा रन सिर्फ पांच बार बने हैं। वहीं, बैंगलोर के मैदान पर पहली बार किसी एक मैच में इतने पर बने। इससे पहले इसी साल बैंगलोर और लखनऊ के मैच में इस मैदान पर 426 रन बने थे। चेन्नई के मैच में तीसरी बार लगे 33 छक्के इस मैच के दौरान बेंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में जमकर छक्के लगे। सबसे ज्यादा आठ छक्के ग्लेन मैक्सवेल ने लगाए।

चेन्नई की ओर से 17 और बैंगलोर के तरफ से 16 छक्के लगे। मैच में कुल 33 छक्के लगे। किसी भी आईपीएल

मैच में इससे ज्यादा छक्के नहीं लगे हैं। हालांकि, इससे पहले भी दो मुकाबलों में 33 छक्के लग चुके हैं और खास बात यह है कि दोनों मैच में चेन्नई की टीम खेल रही थी। 2018 में चेन्नई और आरसीबी के मैच में ही इसी मैदान पर 33 छक्के लगे थे। वहीं, 2020 में चेन्नई और राजस्थान के मैच में यूएई के शारजाह मैदान पर 33 छक्के लगे थे। चेन्नई ने अपना तीसरा बड़ा स्कोर चेन्नई सुपरकिंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट खोकर 226 रन बनाए। आईपीएल में यह चेन्नई का तीसरा बड़ा स्कोर था। इस टूर्नामेंट में चेन्नई का सबसे बड़ा स्कोर पांच विकेट पर 246 रन है। यह स्कोर 2010 में राजस्थान के खिलाफ बना था। वहीं, चेन्नई का दूसरा बड़ा स्कोर 240 रन है, जो 2008 में किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ बना था। इस मैच में 226 रन बनाने के साथ ही चेन्नई बेंगलुरू के मैदान में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाली मेहमान टीम बन गई। इससे पहले कोलकाता ने 2008 में इस मैदान पर 222 रन का स्कोर बनाया था। यह आरसीबी के खिलाफ तीसरा बड़ा स्कोर भी था। चेन्नई की टीम ने इस मैच में 17 छक्के लगाए। किसी एक पारी में यह चेन्नई के द्वारा लगाए गए छक्कों की सबसे बड़ी संख्या है। इससे पहले भी यह टीम तीन मौकों पर एक पारी में 17 छक्के लगा चुकी है। इनमें से दो मैच बैंगलोर के खिलाफ ही थे। 8 रन से हारी आरसीबी ने इस मैच में 227 रन के लक्ष्य का पीछा किया पर 218 रन ही बना सकी।

सेम सेक्स मैरिज पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू

याचिकर्ता बोले हमें भी शादी का अधिकार मिले, केंद्र बोला- उत्तर से दक्षिण तक राय लेनी होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सेम सेक्स मैरिज को कानूनी मान्यता देने की मांग करने वाली 15 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हो चुकी है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस एसके कौल, जस्टिस एस रवींद्र भट, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस हिमा कोहली की पांच जजों की संवैधानिक बेंच सुनवाई कर रही है। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और सेम सेक्स मैरिज के पक्ष में लगाई गई याचिकाओं की पैरवी मुकुल रोहतगी कर रहे हैं।

सॉलिसिटर जनरल एसजी मेहता ने कहा कि सेम सेक्स मैरिज का मुद्दा ऐसा नहीं है, जिस पर एक पक्ष में बैठे 5 लोग, दूसरे पक्ष में बैठे 5 लोग और बेंच पर बैठे 5 विद्वान बहस कर सकें। इसमें दक्षिण भारत के किसान और उत्तर भारत के बिजनेसमैन का भी नजरिया जानना होगा। हम अभी भी इन याचिकाओं के आधार पर सवाल कर रहे हैं, क्योंकि हो सकता है कि इस मामले पर सभी राज्य एकराय न हों। हम अभी भी यही कह रहे हैं कि क्या इस मुद्दे पर कोर्ट खुद फैसला ले सकती है। उधर सुप्रीम कोर्ट ने कहा हम जानना चाहते हैं कि याचिकाकर्ता क्या दलीलें दे रहे हैं। देखते हैं कि याचिकाकर्ता और हमारे दिमाग में क्या चल रहा है।सॉलिसिटर जनरल हमें नहीं बता सकते कि यह फैसला कैसे करना है। हम सही वक्त पर आपको भी सुनेंगे।

वहीं वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि हम अपने घरों में प्राइवेसी चाहते हैं। साथ ही यह भी कि हमें सार्वजनिक जगहों पर कोई लांछन ना सहना पड़े। हम चाहते हैं कि 2 लोगों के लिए शादी और परिवार को लेकर वैसी ही व्यवस्था हो, जैसी अभी दूसरों के लिए चल रही है। शादी और परिवार की हमारे समाज में इज्जत होती है। कानून में से इस मामले पर आपराधिक और अप्राकृतिक हिस्सा हट गया है। ऐसे में हमारे अधिकार भी समान हैं। हम सेम सेक्स वाले लोग हैं। हमें भी समाज के हेट्रोसेक्शुअल ग्रुप के तौर पर संविधान के तहत समान अधिकार मिले हैं। आपने ही यह फैसला किया है। हमारे समान अधिकारों के रास्ते में केवल एक ही रुकावट थी 377। हम बूढ़े होते जा रहे हैं। हम भी चाहते हैं कि शादी की सम्मान हो। आज स्थिति क्या है? ये जो लोग हैं, इन्हें गे कहा जाता है, क्वीर कहा जाता है। अगर ये कहीं जाते हैं तो लोग इन्हें देखने लगते हैं। आर्टिकल-21 के तहत यह अधिकारों पर प्रतिबंध और उनका उल्लंघन है। आपने ही अनुज गर्ग के केस में सेक्स की परिभाषा को माना है, जिसमें कहा गया था कि सेक्स के मायने यौन इच्छा से है ना कि किसी के पुरुष या महिला होने से।

सेम सेक्स मैरिज के पक्ष में लगाई गई याचिकाओं की पैरवी कर रहे हैं मकुल रोहतगी

कर्नाटक आरक्षण मामला

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई 25 अप्रैल तक टाला

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक में मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत ओबीसी कोटा खत्म करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई 25 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी है। कर्नाटक सरकार ने स्थगन की मांग करते हुए शीर्ष अदालत को आश्वासन दिया कि सुनवाई की अगली तारीख तक मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण को रद्द करने के सरकार के आदेश के आधार पर कोई नई नियुक्तिया प्रवेश नहीं किया जाएगा।

विश्व धरोहर दिवस पर छात्रों को दी जानकारी

» महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय में हुआ कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय, आशियाना लखनऊ में विश्व धरोहर दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ सुमन गुप्ता के निर्देशन पर इतिहास विभाग की विभागध्यक्ष डॉ सनोबर हैदर के द्वारा महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को अपनी साझी विरासात को संजोने एवं रक्षा करने ही ओर उनमुख किया गया।

इस अवसर पर प्लेसेज आफ रिलिजियस एंड कल्चरल टूरिज्म इन द स्टेट आफ यूपी पर विशेष चर्चा की गई। इसमें वाराणसी, सारनाथ, मथुरा, अयोध्या एवं प्रयागराज जैसे जनपदों में स्थित विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों की रक्षा एवं सुरक्षा हेतु छात्र छात्रों को प्रेजेंटेशन दिखा कर जागरूक किया।

सुप्रीम कोर्ट ने टीएमसी प्रवक्ता को दी जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। सुप्रीम कोर्ट ने क्राउडफंडिंग (ऑनलाइन माध्यम के जरिये लोगों से धन जुटाना) के जरिए एकत्रित धन के कथित दुरुपयोग से जुड़े एक मामले में सोमवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रवक्ता साकेत गोखले को जमानत दे दी। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने गोखले को राहत देते हुए कहा कि मामले में आरोप पत्र पहले ही दाखिल किया जा चुका है। पीठ ने कहा,अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने याचिका का जोरदार विरोध किया।

» क्राउडफंडिंग से धन के दुरुपयोग का मामला

हालांकि, आरोप की प्रकृति पर गौर करते हुए और चूंकि आरोपपत्र पहले ही दाखिल किए जा चुके हैं, हम जमानत प्रदान कर रहे हैं। पीठ ने कहा, याचिकाकर्ता को अहमदाबाद शहर, साइबर अपराध थाना में दर्ज प्राथमिकी के संबंध में निचली अदालत की ओर से तय जमानत राशि और मुचलका भरने के आधार पर जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया जाता है।

फोटो: 4पीएम

भीषण आग गोमती नगर स्थित पत्रकारपुरम के एक कैफे में आज सुबह आग लग गयी। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

फोटो: सुमित कुमार

हस्ताक्षर मेगा टेक्सटाइल पार्क के लिये केंद्र और राज्य सरकार में करार हुआ, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर किये गये।

जो चप्पल उठाने की औकात नहीं रखते वो गाड़ियों के काफिले में घूम रहे: वरुण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पीलीभीत। सांसद वरुण गांधी दो दिन पहले ही दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे थे। इस दौरान ललौरीखेड़ा विकास खंड क्षेत्र में आयोजित जनसभा में दिए गए संबोधन का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। जिसमें सांसद वरुण गांधी ने बगैर नाम लिए जनपद के एक माननीय पर निशाना साधा है।

सांसद ने कहा कि हमें 35 साल हो गए, हमारे पास कोई घर है? क्या कोई जमीन है? हमने कोई कालोनी काटी है? हम तो आज भी एक कमरे में रहते हैं। हमारी जगह कोई और होता तो बड़ा महल बना चुका होता। बगीचा बना देता। वरुण ने कहा कि जो हमारी चप्पल उठाने की औकात नहीं रखते थे, वे पांच-पांच गाड़ियों के काफिले में चल रहे हैं। जो पहले कहते थे, भईया हमें एक मौका दे दो। हमारे सामने बोलने की औकात नहीं रखते थे। इन लोगों ने पीलीभीत शहर का आधा हिस्सा घेर लिया है। सांसद अपने संबोधन में तीखे हमले करते हुए बार बार उपस्थित लोगों से भी सवाल कर रहे हैं कि क्या वे सही कह रहे हैं? जिसके जबाव में उपस्थित लोग हां कह रहे हैं। सांसद वरुण गांधी ने संबोधन में किसी का नाम तो नहीं लिया है। लेकिन जिले के एक माननीय से इसे सीधे तौर पर जोड़कर देखा जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।